

अपने क्रिकेट से प्यार करेंगे।' ऑस्टिन 2018 में खेले गए अंडर 19 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया टीम का हिस्सा थे हालांकि उनको सिर्फ दो मैचों में ही खेलना का मौका मिला था। जहां उन्होंने 16 के औसत से 32 रन बनाए थे, वह एक मीडियम पेसर भी हैं और अंडर 19 स्तर पर विकेट भी चटका चुके हैं।

संपादकीय

किसानों की समस्या का समाधान हो

केन्द्र सरकार के साथ किसान संगठनों के पांचवें दौर की बातचीत भी बेनतीजा रही। नए कृषि विधेयकों के खिलाफ किसान संगठनों ने 8 दिसंबर को भारत बंद का आह्वान किया है, इस बीच किसानों के इस आंदोलन को व्यापक समर्थन मिल रहा है। किसान नेताओं के मुताबिक पूरे देश के किसान एक साथ हैं और 13 राज्यों से उन्हे समर्थन मिल चुका है। किसानों द्वारा भारत बंद के आह्वान को भी कांग्रेस सहित अनेक विपक्षी पार्टियों का समर्थन मिल गया है। गौरतलब है कि पिछले 11 दिनों से दिल्ली की सभी सीमाओं पर हजारों की संख्या में किसानों ने मोर्चा खोल रखा है जिसकी वजह से दिल्ली की सारी सीमाएं सील करनी पड़ी है। नतीजतन दिल्ली के लोगों को आवश्यक वस्तुओं के अलावा फल व साग सब्जियों के लिए भी तरसना पड़ रहा है। यदि यह आंदोलन और आगे खींचता है तो दिल्लीवासियों के लिए भारी दिक्कत खड़े हो जाएगी। किसान संगठनों ने तो चार माह तक के लिए राशन पानी का इंतजाम कर रखा है। इसी से स्पष्ट है कि वे सरकार के साथ लंबी लड़ाई लड़ने की तैयारी में हैं, ऐसी स्थिति में केन्द्र सरकार को चाहिए कि वह न्यायालयों की तरह किसानों को तारीख पर तारीख देने की जगह उनके साथ तत्काल निर्णायक बातचीत करें। वैसे भी किसानों के इस आंदोलन के लिए केन्द्र सरकार की पूरी तरह से जिम्मेदार है। जो नए कृषि विधेयकों को लेकर किसानों में व्याप्त भ्रांती को दूर कर पाने में असफल रही है। सरकार का दावा है कि नए कृषि विधेयक किसानों के हित में हैं तो फिर वह यह बात किसानों को समझाने में नाकाम क्यों रही है। किसानों की मांगों पर सरकार को तत्काल सहानुभूत पूर्वक विचार करना चाहिए और आंदोलित किसानों को भी चाहिए कि वे बातचीत के जरिए इस समस्या का समाधान करें। यदि दोनों ही पक्ष अपनी जिद पर अड़े रहें तो समस्या का समाधान हो पाना मुश्किल हो जाएगा। 9 दिसम्बर को छठवें दौर की बातचीत होनी है इसमें दोनों पक्षों के बीच समझौते की उम्मीद की जा रही है लेकिन सरकार को चाहिए कि वह किसान नेताओं को अपने विश्वास में ले और उन्हे यह भरोसा दिलाए कि उनका किसी भी तरह से कोई अहित नहीं होने दिया जाएगा। अन्यथा किसानों का यह आंदोलन उग्र भी हो सकता है, अब तक सरकार ने जो संयम दिखाया है वह सरहनीय है किन्तु इस मसले में अगर तत्काल ठोस पहल नहीं की गई तो किसानों के सब्र का बांध टूट सकता है और अराजक तत्व इस आंदोलन को हाईजेक कर के अप्रिय स्थिति निर्मित कर सकते हैं। इसके पहले की पानी सिर से ऊंचा हो सरकार को चाहिए ठोस निर्णय ले लेना चाहिए।

विचार



प्रोफ़ा चंद्रवंशी

हर वक्त हर दफा हर रास्ते, पर सिखाया जाता है हमें कि हमारा इक दायरा है। आखिर है क्या ये दायरा? कौन बनाते हैं इस दायरे की लकीर को? कहां लिखा है इन दायरों के बारे में? उची आवाज़ और जुबां पर गाली एक सभ्य लड़की के दायरे के बाहर है। हां देर रात भटकना भी दायरे के बाहर है। बदन दिखाना दायरे के बाहर है। किसी ने गलत किया तो उन्हें अफ़सोस है, पर आवाज़ उठाना दायरे के बाहर है। मेरा खयाल है कि लोगों को, समाज को ,हम क्या जवाब देंगे कि, हम तुम्हे ,तुम्हारे दायरे समझा कर नहीं रख पाए! गलती तुम्हारे पति की थी तो क्या हुआ! चाहे शारीरिक या मानसिक शोषण करने वाले तुम्हारे अपना पति, काका, मामा दोस्त या कोई भी क्यूं न हो, उंगलियां तो हम पर उठेंगी, बदनामी तो हमारी होगी। इन सब के बीच याद रखना है कि अपना हक मांगने के लिए , अपनी इज्जत के लिए आवाज़ उठाना ,अपने और अपने परिवार की इज्ज़त उछलना है जो कि हमारे दायरे के बाहर है। सच कहूं तो, अहम को भुला कर देखें तो, दायरा तो बस आपकी-हमारी सोच का है। ज़माना बदल चुका है, बात बराबरी की करने से क्या होगा, बराबरी जहन में बिठाना होगा, सोच मे, रोज़ की जिदगी मे लाना होगा, दायरा तो बस एक रूढ़िवादी परम्परा से आगे बढ़ कर बस एक स्वीकृति का है। छोटे किसी के कपड़े नहीं होते, बदन तो पतों से भी ढक जाया करते थे, दायरा तो बस छोटी सोच का है। देर रात कोई काम करे, इस तेज़ बढ़ती दुनिया मे अपनी पहचान बनाने को मेहनत करे, मर्दों के बीच काम करके अपनी पहचान बना ले, तो पहला प्रश्न चिन्तन पर क्यों उठता है! वक्त और समाज की सोच के डर की पाबन्दी लगा। क्यों पर काटा जाता है? मेहनत तो पूरी की, नज़र तो किसी की खराब रही, दायरा तो बस नजरिये का है। किस गीता, कुरान, या बाइबल मे कपड़ो, वक्त और नजरिये से लिखी गई है दायरे की परिभाषा? दायरा ! शायद, हमारा दायर तो हम खुद हैं।

टेक ज्ञान- नोकिया 3.4 भारत में हो सकता है लॉन्च

नई दिल्ली।HMD Global जल्द भारत में अपना नया बजट स्मार्टफोन हथखंडडू 3.4 लॉन्च कर सकती है। नोकिया फ़ेन्स मैनुफ़ैक्चरर एचएमडी ग्लोबल मिड-दिसंबर में नया हैंडसेट देश में पेश कर सकती है। एक मीडिया रिपोर्ट में यह खुलासा किया गया। नोकिया 3.4 को सबसे पहले सितंबर में नोकिया 2.4 के साथ लॉन्च किया गया था। HMD Global के नोकिया 3.4 को यूरोप में 159 यूरो (करीब 13,800 रुपये) की कीमत पर उपलब्ध कराया गया था।

पाठकों की बात

आज मन मा बार

आज मन मा बार बार सुरता आवत हे रावन, भूख मरत मरत भला राग धुन कब तक गावन। नेता मन के घुड़ धर के जममो काम करवयया, हम अपन अंदर के ताकत ला भला कैसे जानन। आदिवासी मन हा बंदूक चलाय बर सीख गे हे, अउ हमन खेती घलोक ठीक से नइ कर पावन। रद्दा कोनो दिखत नइ हे जिन्ही कैसे गुजरही, चलो तो संगी हो एक घो बस्तर भूम के आवन।

– **डॉ संजय दानी**

कृषि कानूनों को

कृषि कानूनों को लेकर आंदोलित किसान अब सीएए आंदोलन में गिरफ्तार लोगों को रिहा करने और धारा 370 व अनुच्छेद 35-ए फिर से लागू करने का मुद्दा उठा रहे हैं। क्या यह भी किसान के खेत की समस्या है? क्या यह लोग किसान हो सकते हैं? उम्मीद है, देश समझेगा।

– **अनिल पुरोहित**

पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

ख़ास प़ाती

अशकों के इस सैलाब में बह



अशकों के इस सैलाब में बह जाएगा जहां जब हम न होगे तो हमें कोई पाएगा कहा। कहीं मर ना जाए हम दरबंदर भटक कर ये शहर है दुश्मनों का कोई बचाएगा कहा। गर तू ना आया तो यहां पर कौन है अपना के यहां हाल पूछने मेरा कोई आएगा कहा। मुझको खुदा बनाने वाले ये तो सोच ले तुम बिन मुझे इस तरह कोई चाहेंगा कहा। माना कि दर्द देते हैं पर हम याद आएंगे बिन मेरे तुमको कोई फिर सताएगा कहां देखा न छुआ जानिब यह जान वार दी सुन कोई साथ तेरा ऐसे निभाएगा कहा।

– **पावनी दिक्षीत जानिब**

उमरने लगे फिर से यादों के धागे

उमरने लगे फिर से यादों के धागे छलकते हैं रह रह के अशकों के धागे जिसे कह रहे थे दवा दर्द की हम उसी ने उधेड़े हैं जूख्यों के धागे किया जिसने जूख्मी वही पूछता है हुए सुख् क्यो हैं इन आंखों के धागे।

– **ममता लड़ीवाल**

यादों की मुडेरों पर बांहों के उन घेरों पर

यादों की मुडेरों पर बांहों के उन घेरों पर जहां तेरा आना जाना था कुछ हलचल होती रहती है धड़कन जब ये कहती हैं काग का आना अच्छ है सुबह का सपना सच्चा है सुन हौले से शर्माती में खुद ही में छिप जाती में तेरा झूना मुझे सताता

हो चुंवन भी याद वो आता है सांसों में सांसों का घुल जाना संदल देह से वो मिलन सुहाना क्या भूलूं क्या यादो करू क्या रोऊ क्या परंपिता की यादों की मुडेरों पर बांहों के उन घेरों पर जहां तेरा आना जाना था इक हलचल होती रहती है।

– **वंदना मोदी गोयल**



योगेश कुमार गोयल

काफ़ी सुरक्षित माने जाने वाले सी-प्लेन का दुनियाभर में सर्वाधिक उपयोग किया जाता है। इनका अब तक का कोई दुर्घटना इतिहास नहीं है, इसीलिए दुनियाभर में अपने गंतव्य तक उड़ान अनुभव के लिए यह सर्वाधिक मांग वाला विमान है। यह एंर्पीबियस श्रेणी का प्लेन होता है, जो कई मायनों में खास है। यह वजन में बेहद हल्का होता है, इसके लिए बहुत लंबे रनवे की जरूरत नहीं पड़ती और यह कम ईंधन में भी उड़ान भर सकता है। स्पाइसजेट द्वारा चलाया जा रहा सी-प्लेन वास्तव में 3377 किलोग्राम वजनी टिवन ओटर 300 सी-प्लेन है, जिसमें एक बार में 1419 लीटर तक पेट्रोल भरा जा सकता है और इसकी एक घंटे की उड़ान के दौरान करीब 272 लीटर पेट्रोल की ही खपत होती है। इसमें बेहतर प्रदर्शन करने वाला एक टिवन टबॉग्रेप प्रेट एंड व्हीटनी पीटी 6ए-27 डंगन दिया गया है। यह 8 से 12 फुट की ऊंचाई पर उड़ान भरते हुए एक बेहद रोमांचक और यादगार यात्रा का अनुभव कराता है। गुजरात सरकार द्वारा केन्द्र सरकार के निर्देश पर राज्य की पांच नदियों के लिए पायलट प्रोजेक्ट के रूप में जिस सी-प्लेन प्रोजेक्ट की शुरूआत की गई है, उसके साबरमती नदी से केवडिया डैम तक का उद्घाटन प्रधानमंत्री द्वारा किया जा चुका है।



डॉ. वेदप्रताप वैदिक

यह एकदम सही समय है, जबकि हम आबादी को बढ़ने से रोकें। यदि भाजपा सरकार इस दिशा में ठोस कदम उठाएगी तो उसका विरोध करने की हिम्मत किसी में नहीं होगी। तो वह क्या-क्या करे? पहला, जब वह लोगों को कोरोना का टीका लगाए तो गुप्त में नसबंदी का भी एलान करे। वह अनिवार्य न हो। बॉ, कुछ प्रोत्साहन दिए जा सकते हैं। गिनके एक या दो बच्चे हों, वे स्वेच्छा से टीका लगवाएं। दूसरा, 'दो हन और हजार दो' का नारा घर-घर में गुंजा दिया जाए। इसे कानूनी छप भी दिया जाए।

सी-प्लेन सेवा से पर्यटन को लगेंगे पंख

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा पिछले दिनों गुजरात की साबरमती नदी से केवडिया-साबरमती रिवरफ्रंट सी-प्लेन सेवा की शुरूआत की गई। सी-प्लेन सेवा की बड़ी विशेषता यह है कि यह देश की पहली ऐसी सी-प्लेन सेवा है, जो पानी और जमीन दोनों जगहों से उड़ान भर सकती है और इसे पानी के साथ-साथ जमीन पर भी अर्थात् दोनों ही जगहों पर लैंड कराया जा सकता है। सी-प्लेन सेवा के माध्यम से अहमदाबाद के साबरमती रिवरफ्रंट को नर्मदा जिले के केवडिया में स्थित स्टैच्यू ऑफ यूनिटी को आपस में जोड़ा गया है। देश को समर्पित कर दिए जाने के बाद सी-प्लेन सेवा पर्यटकों के लिए प्रतिदिन अहमदाबाद से केवडिया और केवडिया से अहमदाबाद के बीच उपलब्ध होगी। सी-प्लेन की उड़ानें स्पाइसजेट की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कम्पनी 'स्पाइस शटल' द्वारा संचालित की जा रही हैं। शुरूआत में स्पाइसजेट द्वारा अहमदाबाद-केवडिया मार्ग पर दो दैनिक उड़ानें संचालित की जा रही हैं। आने वाले समय में पर्यटकों की संख्या के आधार पर इन उड़ानों की संख्या बढ़ाई जा सकती है।

स्पाइसजेट द्वारा संचालित सी-प्लेन उड़ानों के लिए 15 सीटर टिवन ओटर 300 विमानों का इस्तेमाल किया जा रहा है। टिवन ओटर 300 सबसे सुरक्षित और सबसे लोकप्रिय सी-प्लेन है, जो दुनियाभर में सबसे लोकप्रिय और व्यापक रूप से इस्तेमाल किए जाने वाले विमानों में से एक है। साबरमती नदी से केवडिया डैम तक चलने वाले दोनों सी-प्लेन कननाडा से गुजरात आए हैं। दोनों ही फ्लाइटों में दो विदेशी पायलट और दो कर्ू-मेम्बर रहेंगे, जो अगले छह महीनों तक गुजरात में रहकर यहां के पायलटों को ट्रेनिंग देंगे। अहमदाबाद में साबरमती रिवरफ्रंट को नर्मदा जिले के केवडिया में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी से सीधे जोड़ने वाली सी-प्लेन सेवा से गुजरात में पर्यटन को काफी बढ़ावा मिलेगा। दरअसल दुनियाभर से पर्यटक सरदार वल्लभ भाई पटेल की दुनियाभर में सबसे ऊंची प्रतिमा 'स्टैच्यू ऑफयूनिटी' को देखने के लिए गुजरात आते हैं और प्रतिमा ऐसी कारण उड़ान मशीनें कहा जाता है, जो नई जगहों पर और विपरीत भौगोलिक क्षेत्रों

की दूरी करीब दो सौ किलोमीटर है, जिसे तय करने में लोगों को अभी तक 4-5 घंटे का समय लगता था लेकिन सी-प्लेन की शुरूआत होने के बाद यह दूरी तय करने में अब करीब 45 मिनट का ही समय लगेगा। इस सेवा का लाभ उठाने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को एक ओर का 1500 रुपये किराया

में सुगमतापूर्वक जाने में मददगार होती है। इनमें पानी से उतरने और टेक-ऑफ करने की अद्भुत क्षमता होती है, जिससे ऐसे क्षेत्रों तक पहुंच काफी सुगम हो जाती है, जहां लैंडिंग स्ट्रिप्स या रनवे नहीं होते। इनकी सबसे बड़ी विशेषता यही है कि ये महज 300 मीटर के छोटे से रनवे से भी उड़ान भर



अहमदाबाद में साबरमती रिवरफ्रंट को नर्मदा जिले के केवडिया में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी से सीधे जोड़ने वाली सी-प्लेन सेवा से गुजरात में पर्यटन को काफी बढ़ावा मिलेगा। दरअसल दुनियाभर से पर्यटक सरदार वल्लभ भाई पटेल की दुनियाभर में सबसे ऊंची प्रतिमा 'स्टैच्यू ऑफयूनिटी' को देखने के लिए गुजरात आते हैं और प्रतिमा दर्शन करने के लिए अहमदाबाद से केवडिया जाते हैं। अहमदाबाद से केवडिया के बीच की दूरी करीब दो सौ किलोमीटर है, जिसे तय करने में लोगों को अभी तक 4-5 घंटे का समय लगता था लेकिन सी-प्लेन की शुरूआत होने के बाद यह दूरी तय करने में अब करीब 45 मिनट का ही समय लगेगा। इस सेवा का लाभ उठाने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को एक ओर का 1500 रुपये किराया चुकाना होगा अर्थात् समय की बचत के साथ सी-प्लेन से दोनों तरफका रोमांचक सफ़र तीन हज़ार रुपये में किया जा सकेगा। सी-प्लेन में एक बार में दो पायलट और दो कर्ू मेम्बर सहित कुल 19 लोग सवार हो सकते हैं।

चुकाना होगा अर्थात् समय की बचत के साथ सी-प्लेन से दोनों तरफ का रोमांचक सफ़र तीन हजार रुपये में किया जा सकेगा। सी-प्लेन में एक बार में दो पायलट और दो कर्ू मेम्बर सहित कुल 19 लोग सवार हो सकते हैं।

अपनी विश्वसनीयता, शानदार डिजाइन, शॉर्ट टेक-ऑफ और लैंडिंग क्षमताओं के लिए सी-प्लेन दुनियाभर में प्रसिद्ध हैं। इन्हें ऐसी कारण उड़ान मशीनें कहा जाता है, जो नई जगहों पर और विपरीत भौगोलिक क्षेत्रों

आबादी को बढ़ने से रोकें



प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने इस गुंघे पर थोड़ी सजगत दिखाई थी और नसबंदी अभियान शुरू किया था लेकिन संजय गांधी के अति उत्साह और कुछ ज्यादातियों के कारण वह हशिए में चला गया। आपात्काल ने उसे और भी बदनाम कर दिया। इस वक्त दुनिया में जनसंख्या की बाढ़ जिन देशों में सबसे ज्यादा है, उनमें भारत अग्रणी है। यह एकदम सही समय है, जबकि हम आबादी को बढ़ने से रोकें। यदि भाजपा सरकार इस दिशा में ठोस कदम उठाएगी तो उसका विरोध करने की हिम्मत किसी में नहीं होगी। तो वह क्या-क्या करे? पहला, जब वह लोगों को कोरोना का टीका लगाए तो गुप्त में नसबंदी का भी एलान करे। वह अनिवार्य न हो। हां, कुछ प्रोत्साहन दिए जा सकते हैं। गिनके एक या दो बच्चे हों, वे स्वेच्छा से टीका लगवाएं।

करने की हिम्मत किसी में नहीं होगी। तो वह क्या-क्या करे? पहला, जब वह लोगों को कोरोना का टीका लगाए तो मुफ्त में नसबंदी का भी एलान करे। वह अनिवार्य न हो। हां, कुछ प्रोत्साहन दिए जा सकते हैं। जिनके एक या दो बच्चे हों, वे स्वेच्छा से टीका लगवाएं। दूसरा, 'दो हम और हमारे दो' का नारा घर-घर में गुंजा दिया जाए। इसे कानूनी रुप भी दिया जाए। जो दो से ज्यादा बच्चे पैदा करें, उन्हें सरकारी नौकरियां, संसद और विधानसभा की उम्मीदवारी और कई शासकीय सुविधाओं से वंचित किया जाए। मेरा यह सुझाव कठोर और निर्दयतापूर्ण तो लगता है लेकिन इससे देश का इतना भला होगा कि जो प्रधानमंत्री इसे लागू करेंगे, उसका दशकों तक भारत की जनता आभार मानेगी। इस नियम को लागू करने का विरोध वे जातिवादी और सांप्रदायिक लोग जरूर करेंगे, जो योग्यता-बल और चरित्र-बल की बजाय संख्या के आधार पर ही अपनी राजनीति चलाते हैं लेकिन व्यापक जन-समर्थन के आगे उनकी बोलती बंद हो जाएगी। तीसरा, भारत सरकार यह लक्ष्य बनाए कि दक्षिण और मध्य एशिया के 17 देशों में महासंघ खड़ा करके अगले पांच वर्षों में 10 करोड़ भारतीयों को वहां वह रोजगार दिलवाए। देखिए, फिर भारत महासंपन्न और सबल बनता है या नहीं?

QUIZ TIME

- छत्तीसगढ़ शासन द्वारा ‘बस्तर लोकोत्सव’ का आयोजन कब से प्रारम्भ किया गया?
- छत्तीसगढ़ राज्य मानवाधिकार आयोग के प्रथम अध्यक्ष कौन है?
- किसकी उपस्थिति के कारण कन्हार मिट्टी काली दिखाई देती है? (टाइटेनिएसम मैंगनेटाइट / पोटाश)
- अबुझमाड़ की पहाडि़यों से बहती इंद्रावती मांड क्षेत्र में किस मत्स्य जलप्रपात का निर्माण करती है?
- ‘तुलसी के बिरवा जगाय’ छत्तीसगढ़ गीत के रचनाकार कौन है?

हृद्री ड़ाड़ाड़ाड़ा (५) ड़ड़िड़ ड़ाड़ाड़ाड़ (४) २ड़ाड़ड़ड़ड़ ड़ड़ड़ाड़ड़ड़ड़ा (६) ड़ाड़ाड़ा ड़ा कू (७) 100७ (1) -ड़ाड़ाड़ाड़ा

आज का इतिहास

नई दिल्ली । 1825 - भाप से चलने वाला पहला जहाज 'इंटरप्राइज' कलकत्ता(अब कोलकाता) पहुंचा। 1856 - देश में पहली बार आधिकारिक रूप से 'हिंदू विधवा' का विवाह कराया गया। 1941 - जापानी विमानों के हवाई स्थिर पलं हार्बर में अमेरिकी बेड़े पर हमले में 2043 लोग मारे गये। 1970 - पश्चिम जर्मनी और पोलैंड के बीच संबंध सामान्य हुए। 1972 - अमेरिका ने चंद्रमा के लिये अपने अभियान के तहत अपोलो 17 का प्रक्षेपण किया। 1983 - मैड्रिड एयरपोर्ट पर दो जेट विमानों के आपस में टकराने से 93 की मौत। 1988 - अर्मेनिया में 6.9 तीव्रता वाले भूकंप से 25 हजार लोगों की मौत, लाखों बेघर। 1995 - दक्षिण एशिया वरीयता व्यापार समझौता (साप्टा) प्रभावी। भारत ने संचार उपग्रह इनसेट-2सी

का प्रक्षेपण किया। 2001 - कंधार में तालिबान ने हथियार डाले, विक्रमसिंघे श्रीलंका के नये प्रधानमंत्री नियुक्त। 2002 - तुर्की की अजरा अनिन मिस वर्ल्ड-2002 बनी। कश्मीर में अलगाववादी हिंसा में आठ मुस्लिम विद्रोहियों सहित 14 लोग मारे गए। 2003 - रमन सिंह छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री बने। 2004 - हामिद करजई ने अफगानिस्तान के पहले निर्वाचित राष्ट्रपति के रूप में शपथ ग्रहण की। 2007 - यूरोप की कोलम्बर प्रयोगशाला को अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर पहुंचाने वाली अटलांटिस की बहुप्रतीक्षित उड़ान तकनीकी कारणों से स्थगित। 2008 - भारतीय राष्ट्रपति जीव मिर्खा भस्म ने जापान टूर का खतिब जीता। 2009 - डेनमार्क के कोपेनहेगन में जलवायु शिखर सम्मेलन की शुरुआत।

नए साल में कब-कब बजेगी शहनाई, जानें विवाह मुहूर्त

ज्योतिषीय गणना के अनुसार, साल 2021 में विवाह मुहूर्त कम हैं। हिन्दू पंचांग के अनुसार, साल के पहले माह में केवल एक मुहूर्त है और यह मुहूर्त 18 जनवरी को पड़ेगा, जो नए साल का पहला मुहूर्त होगा। ज्योतिषीय गणना के अनुसार, 18 जनवरी के बाद बृहस्पति और शुक्र ग्रह के कारण साल के शुरुआती महीनों में विवाह नहीं हो पाएंगे। दरअसल, मकर संक्राति के बाद 19 जनवरी से 16 फरवरी तक गुरु तारा अस्त है, जिस कारण इस अवधि में विवाह नहीं हो पाएंगे। इसके बाद 16 फरवरी से



ही शुक्र तारा के अस्त होने से शहनाई नहीं बज पाएंगी। यह

अवधि 17 अप्रैल तक रहेगी। ऐसे में इस साल का दूसरा

विवाह मुहूर्त 22 अप्रैल को होगा। 22 अप्रैल के बाद से

देवशयनी एकादशी 15 जुलाई तक विवाह के मुहूर्त हैं। इस बीच 37 विवाह मुहूर्त पड़ रहे हैं। वहीं, 15 नवंबर को देवउठनी एकादशी से 13 दिसंबर तक विवाह के लिए कुल 13 मुहूर्त होंगे। साल 2021 में वसंत पंचमी पर भी नहीं हो पाएगी शादी साल 2021 में वसंत पंचमी 16 फरवरी को है। शास्त्रों में इसे भी शादी जैसे मांगलिक कार्य के लिए अबूझ मुहूर्त माना जाता है, लेकिन इस दिन सूर्योदय के साथ ही शुक्र तारा अस्त हो जाएगा। इस कारण इस दिन भी विवाह का योग नहीं बन रहा है।

2021 में विवाह मुहूर्त

जनवरी - 18

अप्रैल - 22, 24, 25, 26, 27, 28, 29, और 30

मई - 1, 2, 7, 8, 9, 13, 14, 21, 22, 23, 24, 25, 26, 28, 29 और 30

जून - 3, 4, 5, 16, 20, 22, 23, और 24

जुलाई - 1, 2, 7, 13 और 15 नवंबर - 15, 16, 20, 21, 28, 29 और 30

दिसंबर - 1, 2, 6, 7, 11 और 13

किन राशियों पर शनिदेव रहते हैं अधिकतर मेहरबान



सभी नौ ग्रहों में सबसे धीमी चाल चलने वाले शनि ग्रह होते हैं। यह एक राशि में करीब ढाई वर्षों तक रहते हैं। ज्योतिष शास्त्र की मान्यता के अनुसार किसी भी जातक की कुंडली में शनि के होने और न होने का विशेष प्रभाव पड़ता है। ज्योतिष शास्त्र में शनिदेव को न्याय के देवता कहा गया है। शनि व्यक्ति को उनके द्वारा किए गए कार्यों के अनुसार ही शुभ

और अशुभ दोनों तरह के फल देते हैं। ज्योतिष में शनि की महादशा, साढ़ेसाती और दैव्या का प्रकोप बहुत ही बुरा और परेशानियों से भरा होता है। शनि शुभ घर में रहते हैं, शनिदेव ऐसे जातकों पर विशेष कृपा बरसाते हैं। वहीं जिन जातकों की शनि की टेढ़ी नजर रहती है उन्हें तमाम तरह की मुसीबतें पीछा करने लगती हैं। 12 राशियों में से कुछ ऐसी राशियां

होती हैं जिन पर शनिदेव विशेष कृपा रखते हैं। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार सभी ग्रहों का कोई न कोई मित्र या शत्रु ग्रह अवश्य होता है। इसी के आधार पर शनि कुछ राशियों पर कृपा बरसाते हैं तो कुछ राशि के जातकों पर अपने स्वभाव के अनुसार नकारात्मक प्रभाव डालते हैं। इसलिए जिन राशि के जातकों पर शनि की टेढ़ी नजर रहती है उन्हें हमेशा सतर्क और शनि से जुड़े हुए कुछ उपायों को जरूर अपनाना चाहिए ताकि शनि का प्रतिकूल प्रभाव कम हो सके। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार शनि ग्रह, बुध और शुक्र के मित्र, जबकि सूर्य, चंद्रमा और मंगल के शत्रु माने गए हैं। वहीं गुरु ग्रह के साथ शनि समभाव रखते हैं। इसके अलावा सभी 12 राशियों में शनिदेव को दो राशियों का स्वामित्व प्राप्त है। पहली राशि है मकर और दूसरी कुंभ। इन दोनों पर शनि हमेशा अच्छा प्रभाव और नजर रखते हैं। तुला शनि की उच्च राशि और मेष नीच की राशि होती है।

कब है काल भैरव जयंती 2020 में

काल भैरव जयंती के दिन भगवान शिव के रूद्र अवतार भगवान काल भैरव की पूजा की जाती है। शास्त्रों के अनुसार भगवान काल भैरव की पूजा से भूत, प्रेत और ऊपरी बाधा जैसी समस्याएं समाप्त होती हैं। काल भैरव जयंती को काल भैरव अष्टमी के नाम से भी जाना जाता है तो आइए जानते हैं काल भैरव जयंती से जुड़ी सभी मुख्य बातें। काल भैरव जयंती 2020 तिथि 7 दिसंबर 2020 काल भैरव 2020 शुभ मुहूर्त अष्टमी तिथि प्रारंभ - शाम 6 बजकर 47 मिनट से (7 दिसंबर 2020) अष्टमी तिथि समाप्त - अगले दिन शाम 5 बजकर 17 मिनट तक (8 दिसंबर 2020) कालभैरव जयंती पर दिल्ली में कराएं पूजन एवं प्रसाद अर्पण, बनेंगी बिगड़ी बात - 07 दिसंबर 2020

काल भैरव जयंती का महत्व मार्गशीर्ष मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि काल भैरव जयंती मनाई जाती है। पुराणों के अनुसार इसी दिन भगवान काल भैरव का जन्म हुआ था। इसी कारण से इस दिन को काल भैरव



अष्टमी और काल भैरव जयंती के नाम से भी जाना जाता है। भगवान काल भैरव को शिवजी का रौद्र रूप माना जाता है। माना जाता है कि जो भी व्यक्ति काल भैरव जयंती के दिन काल भैरव की विधिवत श्रद्धा से पूजा करता है। उसे सभी प्रकार की सिद्धियां प्राप्त होती हैं।

काल भैरव को तंत्र का देवता भी माना जाता है। इसी कारण से इस दिन काल भैरव की पूजा से

भूत,प्रेत और ऊपरी बाधा जैसी समस्याएं भी समाप्त होती है। काल भैरव जयंती के दिन कुत्ते की पूजा का विशेष महत्व है। क्योंकि काले कुत्ते को भैरव बाबा का ही प्रतीक माना जाता है। इस दिन काले कुत्ते को दूध पिलाने से काल भैरव का आशीर्वाद प्राप्त होता है। भगवान काल भैरव का हथियार दंड है। इसी कारण से इन्हें पापियों को दंड देने वाला देवता माना जाता है।

14 दिसंबर को साल का आखिरी सूर्य ग्रहण

14 दिसंबर को अमावस की रात्रि को खण्डग्रहास सूर्य ग्रहण लगेगा, जो भारत में दिखाई नहीं देगा। सूर्य ग्रहण रात्रि 07:03 बजे से प्रारंभ होगा और रात्रि 12:23 बजे तक रहेगा। यह सूर्यग्रहण लगभग पांच घंटे 20 मिनट का होगा। सूर्य ग्रहण का समय रात्रि का होने के कारण भारत में इसका कोई असर नहीं होगा और न ही इसका कोई सूतक लगेगा। सूर्य ग्रहण दक्षिण अमेरिका, साउथ

अफ्रीका और प्रशांत महासागर के कुछ हिस्सों में नजर आएगा। ज्योतिषाचार्य सुनील चोपड़ा ने बताया कि इस वर्ष का यह अंतिम सूर्य ग्रहण है, इससे पूर्व सूर्य ग्रहण 21 जून को लगा था। इसके पश्चात 2021 में 2 सूर्य ग्रहण होंगे, पहला सूर्य ग्रहण 10 जून को व दूसरा सूर्य ग्रहण 14 दिसंबर को होगा जो भारत में दिखाई नहीं देगा।

विज्ञान की दृष्टि से जब



चंद्रमा, पृथ्वी और सूर्य के बीच से होते हुए गुजरता है। इस दौरान चंद्र सूर्य की रोशनी को आंशिक या पूर्ण रूप से अपने पीछे ढकते हुए उसे पृथ्वी तक पहुंचने से रोक लेता है और उस समय रोशनी के अभाव में पृथ्वी पर अंधियारा छा जाता है। इसी घटना को सूर्य ग्रहण कहा जाता है। पृथ्वी सूरज की परिक्रमा करती है और चांद पृथ्वी की। कभी-कभी चांद, सूरज और धरती के बीच

आ जाता है। यह घटना हमेशा अमावस्या को ही होती है और 14 दिसंबर को भी अमावस है। वलयाकार सूर्य ग्रहण- जब चंद्रमा सूर्य और पृथ्वी के बीच आकर सूर्य को पूरी तरह न ढकते हुए, उसके बीच के भाग को ढक देता है, जिससे पृथ्वी से देखने पर सूर्य एक रिंग की तरह दिखाई देता है, जिसे हम वलयाकार सूर्य ग्रहण कहते हैं।

पूजन में क्यों बनाया जाता है स्वास्तिक

ऋग्वेद में स्वस्तिक के देवता सवन्त का उल्लेख है। स्वास्तिक का आविष्कार आर्यों ने किया और पूरे विश्व में यह फैल गया। भारतीय संस्कृति में इसे बहुत ही शुभ कल्याणकारी और मंगलकारी माना गया है। स्वास्तिक शब्द को %सु० और %अस्तिक% दोनों से मिलकर बना है। %सु०% का अर्थ है शुभ और %अस्तिकका% अर्थ है होना यानी जिससे %शुभ हो%, %कल्याण हो% वही स्वस्तिक है, द्वार पर स्वास्तिक द्वार पर और उसके बाहर आसपास की दोनों दीवारों पर स्वस्तिक को चित्र लगाने से वास्तुदोष दूर होता है और शुभ मंगल होता है। इसे दरिद्रता का नाश होता है। घर के मुख्य द्वार के दोनों ओर अष्ट धातु और उपर मध्य में तांबे का स्वास्तिक लगाने से सभी तरह का वस्तुदोष दूर होता है।

पंच धातु का स्वास्तिक बनवा के प्राण प्रतिष्ठा करने के बाद चौखट पर लगवाने से अच्छे परिणाम मिलते हैं। चांदी में नवरात्र लगवाकर पूर्व दिशा में लगाने पर वास्तु दोष दूर होकर लक्ष्मी प्राप्ति होती है। वास्तुदोष दूर करने के लिए 9 अंगुल लंबा और चौड़ा स्वास्तिक सिंदूर से बनाने से नकारात्मक ऊर्जा सकारात्मकता में बदल जाती है।

घर आंगन में बनाएं स्वस्तिक -घर या आंगन के बीचोबीच मांडने के रूप में स्वास्तिक बनाया जाता है। इसे बनाने से



घर की नकारात्मक ऊर्जा बाहर चली जाती है। स्वास्तिक के चिह्न को भाग्यवर्धक घर में सुख और शांति बनी रहती है। यदि बालिकाएं संजा बनाते समय गोबर से स्वास्तिक बनाती हैं। इससे घर में शुभता, शांति और समृद्धि आती है और पितरों का कृपा भी प्राप्त होती है।

मांगलिक कार्यों में लाल पीले रंग का स्वास्तिक अधिकतर लोग स्वास्तिक को

हल्दी से बनाते हैं। ईशान या उत्तर दिशा की दीवार पर पीले रंग का स्वास्तिक बनाने से घर में सुख और शांति बनी रहती है। यदि कोई मांगलिक कार्य करने जा रहे हैं तो लाल रंग का स्वास्तिक बनाएं। इसके लिए केसर, सिंदूर, रोली और कुंकुम का इस्तेमाल करें।

धार्मिक कार्यों में रोली, हल्दी या सिंदूर से बना स्वास्तिक आत्मसंतुष्टि देता

है। त्योहारों पर द्वार के बाहर रंगोली के साथ कुमकुम, सिंदूर या रंगोली से बनाया गया स्वास्तिक मंगलकारी होता है। इसे बनाने से देवी और देवता घर में प्रवेश करते हैं। गुरु पुण्य या रवि पुण्य में बनाया गया स्वास्तिक शांति प्रदान करता है।आर्थिक वृद्धि हेतु शरद पूर्णिमा पर कराएं माँ लक्ष्मी का श्री सूक्त पाठ एवं 700 आहुतियों के साथ विशेष हवन - 31 अक्टूबर 2020 - महालक्ष्मी मंदिर, कोल्हापुर

देवता होंगे प्रसन्न स्वस्तिक बनाकर उसके ऊपर जिस भी देवता की मूर्ति रखी जाती है वह तुरंत प्रसन्न होता है। यदि आप अपने घर में अपने ईश्वदेव की पूजा करते हैं तो उस स्थान पर उनके आसन के ऊपर स्वास्तिक जरूर बनाएं। प्रत्येक त्योहार जैसे नवरात्रि में कलश स्थापना, दीपावली पर लक्ष्मी पूजा आदि अवसरों पर स्वस्तिक बनाकर ही देवी की मूर्ति या चित्र को स्थापित किया जाता है।

देव स्थान पर स्वस्तिक बनाकर उसके ऊपर पंच धान्य या दीपक जलाकर रखने से कुछ ही समय में इच्छित कार्य पूर्ण होता है। इसके अलावा मनोकामना सिद्धि हेतु मंदिर में गोबर या कंकू से उलटा स्वास्तिक बनाया जाता है। फिर जब मनोकामना पूर्ण हो जाती है तो वहीं जाकर सीधा स्वास्तिक बनाया जाता है।

देहली पूजा प्रतिदिन सुबह उठकर

विश्वासपूर्वक यह विचार करें कि लक्ष्मी आने वाली हैं। इसके लिए घर को साफ-सुथरा करने और खान आदि से निवृत्त होने के बाद सुगंधित वातावरण कर दें। फिर भगवान का पूजन करने के बाद अंत में देहली की पूजा करें। देहली (डेली) के दोनों ओर स्वस्तिक बनाकर उसकी पूजा करें। स्वास्तिक के ऊपर चावल की एक ढेरी बनाएं और एक-एक सुपारी पर कलवा बांधकर उसको ढेरी के ऊपर रख दें। इस उपाय से धनलाभ होगा।

व्यापार वृद्धि हेतु यदि आपके व्यापार या दुकान में बिज्नी नहीं बढ़ रही है तो 7 गुरुवार को ईशान कोण की गंगाजल से धोकर वहां सुखी हल्दी से स्वास्तिक बनाएं और उसकी पंचोपचार पूजा करें। इसके बाद वहां आधा तोला गुड़ का भोग लगाएं। इस उपाय से लाभ मिलेगा। कार्य स्थल पर उत्तर दिशा में हल्दी का स्वास्तिक बनाने से बहुत लाभ प्राप्त होता है।शरद पूर्णिमा पर कराएं श्री कृष्ण की विशेष पूजा, होंगी समस्त आकास्मिक परेशानियां दूर - बांके बिहारी मंदिर, वृन्दावन 31 अक्टूबर 2020

सुख की नींद सोने हेतु यदि आप रात में बैचेन रहते हैं। नींद नहीं आती या बुरे बुरे सपने आते हैं तो सोने से पूर्व स्वास्तिक को तर्जनी से बनाकर सो जाएं। इस उपाय से नींद अच्छी आएगी।



ज्योतिषाचार्य

-अराधना भटनागर

7-12-20 से 13-12-20

टैरो कार्ड के आधार पर राशिफल।

मो.9826344688

- मेष राशि**-सप्ताह की शुरुआत में कुछ पुराने दोस्तों, रिश्तेदारों से पुनः मिलने का मौका मिलेगा। कुछ ऐसी खुशियां जो आप पहले ले चुके हैं, उसका वापस आने की संभावना बनती है, हंसी मजाक, खुशनुमा माहौल जैसे अवसर प्राप्त होंगे, नये संबंध जुड़ सकते हैं। सप्ताह के मध्य और अंत में अपने दिल और दिमाग के बीच चल रहे संघर्ष को स्वयं उठकर दूर करने का प्रयास करेंगे तो बेहतर रहेगा। अपनी वाणी पर संयम रखें, किसी प्रतिस्पर्धा में सफलता के योग हैं।

सप्ताह-कड़ी स्पर्धा में अपना पक्ष मजबूती से रखें, अत्यधिक क्रोध और निराशा से बचकर समझदारी से निर्णय लें।

- वृषभ राशि**- सप्ताह की शुरुआत में कुछ चुनौतियां का सामना करना पड़ सकता है, विचार विमर्श करके निर्णय लें, जिन बातों से दुख मिले उन्हें छोड़कर आगे बढ़ें, फिर से नये जोश और विश्वास के साथ कार्य करें, नये लोगों से मिलकर अपनी परेशानियों को दूर कर सकेंगे। सप्ताह के मध्य और अंत में पुराने संबंधों में प्रगाढ़ता आएगी, शत्रु भी दोस्त बन सकते हैं, किसी उत्सव या नये अवसर की प्राप्ति हो सकती है।

सप्ताह-नशीले पदार्थों के सेवन से बचें, अति उत्साह में कोई गलती होने की संभावना है, संयम से कार्य करें।

- मिथुन राशि**- सप्ताह की शुरुआत संतुष्टि, विजय, आत्मविश्वास के साथ हो रही है। अच्छे लोगों का साथ मिल सकता है। सप्ताह के मध्य और अंत में नई परियोजना बन सकती है, बातचीत सप्ताह से कार्य सिद्ध होंगे।

सप्ताह-अपनी भवनाओं पर नियंत्रण रखें, घमंड और अकड़ के शिकार होकर दूसरों के साथ किया गया बुरा व्यवहार हानि पहुंचा सकता है।

- कर्क राशि**-सप्ताह की शुरुआत कार्यों में तेजी लायेगी, नये प्रेम संबंध बन सकते हैं कलात्मकता का प्रभाव बढ़ेगा। अपने प्रियजनों और शुभचिंतकों का साथ मिलेगा। सप्ताह के मध्य और अंत में घर में खुशियां, उत्सव आदि का माहौल रह सकता है।

सप्ताह-स्वास्थ्य का ध्यान रखें, अपने कार्य करने के तरीकों की अच्छी से जांच कर आगे बढ़ें।

- सिंह राशि**-सप्ताह की शुरुआत व्यक्तिगत प्रभाव, इच्छाशक्ति के साथ हो रही है। स्वयं के ज्ञान, योग्यता पर भरोसा करके हर वह उपलब्धि हासिल कर सकते हैं, अपनी प्रतिभा का पूर्ण उपयोग करें। सप्ताह के मध्य और अंत में अपने अतीत को छोड़कर आगे बढ़ने का प्रयास करें।

सप्ताह-नशीले पदार्थों के सेवन से बचें, अवसाद की स्तिथि से बचें।

- कन्या राशि**- सप्ताह की शुरुआत व्यापार में वृद्धि, समृद्धि, न्याय, बंवार्रा, निवेश किये हुए धन से फायदा मिल सकता है। आपने जो कर्म किये हैं उनका प्रतिक्रम मिलना शुरू हो जाएगा। अधिक खर्चों से बचें। सप्ताह के मध्य और अंत में किसी विवाद का सामना करना पड़ सकता है, शत्रु आप पर हावी होने की कोशिश करेंगे, पूर्व में की गई गलती दोबारा ना दोहराएं, संयम से काम ले जीत आपकी होगी।

सप्ताह-अपने विचारोंमें उलझ कर रहेंगे तो सिर्फ निराशा हाथ लगेगी, अपने शत्रु को स्वयं पर हावी ना होने दे।

- तुला राशि**-सप्ताह की शुरुआत सफलता, आनंद, आकर्षण, अंतर्ज्ञान से हो रही है, नए अवसर प्राप्त होंगे, मन प्रसन्न रहेगा। सप्ताह के मध्य और अंत में किसी नई संपत्ती का बनना, किसी पुरानी चीजों का नवनीकरण हो सकता है, किसी का मार्गदर्शन मिल सकता है।

सप्ताह-अनुशासन का पालन करें और बड़ों की बात सुनकर अपनी शिक्षा का चयन करें।

- वृश्चिक राशि**- सप्ताह की शुरुआत नये अवसर दे सकता है, बातचीत आदि से अनेकों प्रश्नों के उत्तर मिलेंगे। यह वक्त अपनी बुद्धिमता का प्रयोग कर अपने रास्ते में आ रही रुकावटों को दूर करने का है। सप्ताह के मध्य और अंत में नवअंकुरण, जोश, प्रेम, जन्म, साहसिक कार्य आदि के साथ कार्य करेंगे तो लाभ मिलेगा।

सप्ताह-दुष्ट निश्चय की कमी और अधिक उतावलेपन के कारण नुकसान हो सकता है।

- धनु राशि**-सप्ताह की शुरुआत आत्म विश्लेषण, मेंडिटेशन आदि से हो रही है। अपने मन में अंधकार से लड़ने की इच्छा रखें। सप्ताह के मध्य और अंत में खोए हुए अवसरों की पुनः प्राप्ति हो सकती है, हर चुनौती का ईमानदारी से सामना करेंगे तो लाभ मिलेगा।

सप्ताह-डर, असुरक्षा के कारण परिस्तिथियों के सामने समर्पण कर देंगे तो निराशा हाथ लगेगी।

- मकर राशि**- सप्ताह की शुरुआत में कुछ परिवर्तन देखने को मिलेंगे। अन्तर्गत पुराने लोग, भावनात्मक संबंध, कार्य करने का पुराने तरीकों का अंत होकर दोबारा नये रिश्ते, कामों की शुरुआत होगी। सप्ताह के मध्य और अंत में भौतिक सुख, यश, कीर्ति प्राप्त होने की संभावना है।

सप्ताह-अधिक भोग विलास में रहकर प्रियजनों से संबंध खराब हो सकते हैं।

- कुम्भ राशि**-सप्ताह की शुरुआत में बड़ों का आशीर्वाद, प्रेरणा, उपलब्धि से हो रही है। व्यवसाय में उन्नति, जमीन से संबंधित चीजों से फायदा, रिश्तों में प्रगाढ़ता देखने को मिलेंगे। सप्ताह के मध्य और अंत में अपना भाग्य स्वयं बनाने में सक्षम रहेंगे, जीवन में एक चक्र को समाप्त कर दूसरों की नयी शुरुआत होगी।

सप्ताह- गलत जगह निवेश करने से नुकसान हो सकता है। अत्यधिक कार्य करने से मानसिक तनाव महसूस कर सकते हैं।

- मीन राशि**- सप्ताह की शुरुआत में कुछ ऐसे महत्वपूर्ण निर्णय लेने पड़ सकते हैं जिस से रिश्तों, प्यार, दोस्ती, व्यवसाय में कुछ बदलाव हो। अपनी आंतरिक ऊर्जा का उपयोग कर सही व गलत का चुनाव करके आगे बढ़ें। सप्ताह के मध्य और अंत में अपने कार्यों को दोबारा निरीक्षण कर खोयी हुए अवसर प्राप्त कर सकेंगे। जीवन में परिवर्तन को स्वीकार नई दिशा की तरफ कदम बढ़ाएं तो सफलता मिलेगी।

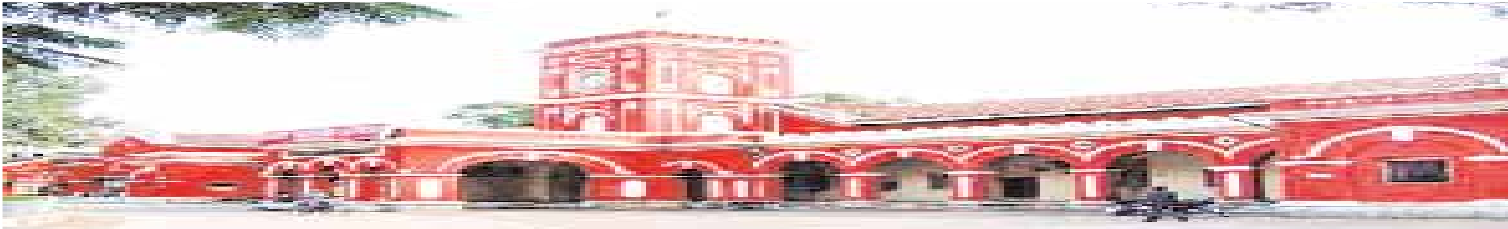
सप्ताह- जिद छोड़कर वास्तिकता को स्वीकार करना लाभप्रद रहेगा।

नीतू तेज कुमार भगत



क्षेत्र के मतदाताओं के दिलों पर राज करने वाले ठक्करग्राम वार्ड कांग्रेस के पार्षद तेज कुमार भगत ठक्कर ग्राम से 4 बार चुनाव जीत चुके हैं। उन्हें विश्वास है कि महिला वार्ड होने के बाद उनकी पत्नी नीतू चुनाव जीतेगी। यही कारण है कि यहां के मतदाताओं में एक बार फिर नीतू भगत का नाम पहले आ रहा है। यहां पेयजल की मुख्य समस्या रही है। वार्ड में जल संकट के कारण उन्होंने अपने वार्ड में पेयजल टंकी का निर्माण कर इस समस्या को दूर किया है। इसके अलावा बीड़ी और बुनकर कार्य करने वाले गरीबों को राशन कार्ड व शासन से आवास योजना का लाभ दिलाया। इतना ही देर रात को भी कोई वार्ड वासी व्यक्तिगत समस्या लेकर आता है तो उसे प्राथमिकता से दूर करते हैं। हाल ही में कोरोना काल के दौरान उन्होंने गरीबों की व्यक्तिगत मदद कर भरपूर सहयोग किया। उनकी मंशा है कि वार्ड में कुछ विकास कार्य जो छूट गए हैं उन्हें स्वीकृति मिल चुकी है वे जल्द पूरे होंगे। यदि वे चुनाव जीतेंगे तो वार्ड के अग्रे कार्य पूरे किए जाएंगे। इसके अलावा कुछ जगह पेयजल की समस्या हो गई है उसे दूर करेंगे। उनका लक्ष्य है कि पर्यावरण को बढ़ाने के लिए जहां शासकीय भूमि पर फलदार पौधे रोपे जाएंगे वही स्थल चयन कर वार्ड में उद्यान का निर्माण किया जाएगा। लोगों का कहना है कि तेज कुमार हमेशा उनके सुख-दुख में सहभागी रहते हैं। यही कारण है कि वार्ड में उनकी लोकप्रियता अन्य लोगों की अपेक्षा ज्यादा है।

वार्ड-वार्ड सक्रिय हुए दावेदार



नगर सत्ता की जंग

जल्द ही नगरीय निकाय चुनाव के लिए महापौर पद के लिए आरक्षण किया जाएगा। वहीं लगभग सभी वार्डों में पार्षद प्रत्याशी का आरक्षण शुरू हो गया है। इसके साथ ही मौलाना अबुल कलाम व ठक्करग्राम वार्ड और राधाकृष्णन वार्ड के दावेदारों के नाम सामने आने लगे हैं। पहली बार पार्षद के लिए दावेदारी कर रहे लोगों का प्रमुख लक्ष्य लोगों की मूलभूत समस्याओं को दूर करना है हालांकि कई दावेदार सतत् सक्रिय रहकर अपना दावा मजबूत कर रहे हैं। वहीं ये दावेदार अपने-अपने कामों को गिना रहे हैं, इसी की दम पर वे टिकिट के लिए अपनी-अपनी पार्टी से दावे कर रहे हैं।

मौलाना अबुल कलाम वार्ड कांग्रेस – आबिदा आरिफ पहलवान



वार्ड की गरीब और मध्यमवर्गीय लोगों के दिलों में जगह बनाने वाले मौलाना अबुल कलाम वार्ड के कांग्रेस पार्षद की दावेदार आबिदा आरिफ पहलवान के लिए लोगों की चाहत है कि यदि वे पार्षद बनेंगे तो उन्हें शत-प्रतिशत जन समर्थन मिलेगा। गौरतलब है कि महिला आरक्षण होने के कारण उनकी पत्नी आबिदा आरिफ पहलवान को विधवास है कि वार्ड में कराए गए विकास कार्यों के कारण लोग चाहते हैं कि एक बार उन्हें मौका दिया जाए। खास बात ये है कि उन्होंने लॉक डाउन के दौरान लोगों को स्वयं रुचि लेकर भोजन उपलब्ध करवाया। इतना ही नहीं गरीबों के बीपीएल कार्ड के लिए वे हमेशा प्रयासरत् रहे हैं। क्षेत्र में जल संकट की लड़ाई को उन्होंने प्रमुखता से अधिकारियों के समक्ष रखा है। वार्ड में वे हमेशा सक्रिय रहे हैं। उन्हें विश्वास है कि कांग्रेस से उन्हें मौका मिला तो इस वार्ड से जीत निश्चित है। उनका लक्ष्य है कि वार्ड की सड़कों का निर्माण, सड़मोसन और स्ट्रीट लाइट की जगह हैलोजन लगवाने का कार्य किया जाएगा। वहीं वार्ड में वास्तविक गरीबों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाया जाएगा। उन्होंने बताया कि वार्ड की मुख्य सड़क मुख्य रूप से व्यस्त मार्ग है। इसका एक हिस्सा जहां घमापुर, कलेक्ट्रेट और रेलवे स्टेशन को जोड़ता है, वहीं अघारताल की 100 से अधिक कॉलोनियों में जाने के लिए यहां हमेशा सड़क पर जाम लगा रहता है। वे सड़क चौड़ीकरण कर इस मार्ग को व्यवस्थित बनवाएंगी। साथ ही इस सड़क को मॉडल रोड की तर्ज पर विकसित किया जाएगा। उनका कहना है कि मेरी पहली प्राथमिकता होगी कि वार्ड में शिक्षा को बढ़ावा दिया जाए और वे यहां उच्च शिक्षा के लिए विशेष प्रयास करेंगी। इस सब बातों को लेकर लोगों का जमकर समर्थन उन्हें मिल रहा है।

कांग्रेस: कविता संजय अहिरवार



समाजसेवा मेरी रंग-रंग में बसा है। बड़े बुजुर्गों के आशीर्वाद और माताओं-बहनों के रत्नेह से मैं कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ रही हूं। यह कहना है राधाकृष्णन वार्ड से पार्षद की दावेदार कविता संजय अहिरवार का। उनका कहना है कि यदि इस बार टिकट मिली तो जीत निश्चित है। मैंने वार्ड के कई काम कराए हैं और लोगों की समस्याये दूर की हैं। क्षेत्र में कई जगह जल प्लावन की स्थिति रही और मैंने स्वयं प्रयास कर नाले पर पुलियों का निर्माण कराया है। क्षेत्र के लोगों का आशीर्वाद उनके साथ रहा है और उनका मनोबल बढ़ाने के लिए मैं सदैव समाज सेवा में अग्रणी रही हूं। मैं शुरू से यहां रह रही हूं और वार्ड में मैंने पेयजल के टैंकर से घर-घर पानी पहुंचाया है और बिजली के पोल लगावाए हैं। इसके अलावा लॉक डाउन के दौरान गरीबों को खाद्यान्न उपलब्ध कराया है। मेरा लक्ष्य है कि बीपीएल कार्ड और गरीबों व विधवाओं को पेंशन दिलावाएं। वर्षों से वार्ड में कोई भी बड़ा विकास कार्य नहीं हुआ है जिसे याद किया जा सके। ऐसे महत्वपूर्ण कार्य मेरे कार्यकाल में प्राथमिकता के साथ कराए जाएंगे। उनका लक्ष्य है कि क्षेत्र की गलियों में सीमेंटीकृत सड़क, पर्याप्त पेयजल उपलब्ध करवाना और आए दिन बिजली संकट से मुक्त कराएं। इसके लिए वे पहली प्राथमिकता से अतिरिक्त ट्रांसफार्मर लगवाएंगे ताकि यहां बिजली की ट्रिपिंग समस्या पूरी तरह से समाप्त हो सके।

महंत स्वामी रामकृष्ण दास जी महाराज



जबलपुर। महंत स्वामी रामकृष्ण दास जी महाराज श्री बद्रीनाथ पीठाधीश्वर महाराज ने आज नवप्रदेश अखबार की सराहना की और सभी को आशीर्वाद दिया।

जबलपुर। भारतीय स्टेट बैंक (सेवा)एससी, एसटी वेलफेयर एसोसिएशन जलपुर माडयूल के तत्वावधान में बाबा साहेब डा भीमराव अम्बेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर तहसील चौक जबलपुर स्थित डा अम्बेडकर की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया गया एवं श्रद्धांजलि अर्पित की गई। जिसमें विनोद कैथल, प्रमोद बोरकर, राकेश कैथल, शिवनारायण मार्वं, राहुल मदन, मानिक समुद्रे उपस्थित रहे।



बाबा साहब की आत्मा (संविधान) आज भी भारत के नागरिकों के हितों की रक्षा कर रही है- सूरज जायसवाल

6 दिसंबर भारत के संविधान रचयिता डॉक्टर भीमराव अंबेडकर बाबा साहब की पुण्यतिथि जिसे महापरिनिर्वाण दिवस के रूप में पूरे विश्व में मनाया जाता है के अवसर पर जदयू के प्रदेश अध्यक्ष सूरज जायसवाल ने जबलपुर तहसीली चौक स्थित डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की मूर्ति पर माल्यार्पण करते हुए श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कहा कि बाबा साहब भौतिक रूप से जरूर हमारे बीच में नहीं हैं लेकिन उनकी आत्मा जो संविधान के रूप में है वह आज भी भारत के प्रत्येक नागरिकों के हितों की रक्षा कर रही है और आगे भविष्य में भी करती रहेगी दलित शोषित पिछड़े वर्ग के उत्थान के लिए संविधान में उन्होंने जो अधिकार दिए आज उसी का परिणाम है कि यह वर्ग सम्मानजनक जीवन जी रहा है बाबा साहब की आत्मा (संविधान) को कभी ठेस ना पहुंचे उसके लिए हमेशा संघर्ष ही



रहना ही बाबा साहब की के लिए सच्ची श्रद्धांजलि होगी श्रद्धांजलि कार्यक्रम में महिला मोर्चा की अध्यक्ष मोना विनोदिया संजय सिंह

मुरताक अली भरत यदुवंशी नगर अध्यक्ष सुभाष जायसवाल इमाम खान डॉ महेश सोधिया मोहन दुबे आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे।

महापरिनिर्वाण दिवस पर बाबा साहेब को दी श्रद्धांजलि किया नमन



जबलपुर। हम सबको जो समानता इस कार्यक्रम में मध्य प्रदेश के पूर्व का अधिकार प्राप्त है वह समानता कैबिनेट मंत्री लखन घनघोरिया हमें भारतीय संविधान से मिला है नगर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष दिनेश उस संविधान के निर्माता दलितों यादव जिला शहर कांग्रेस सेवादल का जीवन उद्धार करने वाले एक अध्यक्ष सतीश तिवारी ब्लॉक गरीब दलित परिवार में जन्मे हुए अध्यक्ष संजय अहिरवार कांग्रेस महापुरुष बाबा साहब डॉक्टर नेता विवेक अवस्थी झल्ले लाल भीमराव अंबेडकर जी की जैन जिला कांग्रेस सेवा दल महापरिनिर्वाण दिवस में नगर प्रवक्ता जितेंद्र यादव पूर्व पार्षद कांग्रेस कमेटी एवं जिला शहर भगत राम सिंह रामदास यादव कांग्रेस सेवादल सहित कांग्रेस के जतिन राज रिजवान अली रोहित सभी संगठनों के कार्यकर्ता यादव सुशील कुमार जसले जबलपुर हाई कोर्ट अंबेडकर चौक अनिल चौधरी विवेक सोनी नीलू पहुंच कर बाबा साहब के प्रतिमा सोनकर पीपी पटेल लड्डू यादव पर माल्यार्पण करके एवं पुष्पों विष्णु विनोदिया विकास जाट अर्पित करके श्रद्धांजलि दिया तथा शिवम बख्शी अंकित मराठ प्रसन्न 2 मिनट का मौन भी रखा गया यादव सहित कॉंग्रेस के सभी

लगातार मिल रही शिकायतों के बाद मारा छापा

■ जबलपुर। (नव प्रदेश)

जिले के ग्रामीण अंचल में संचालित प्रसव केंद्रों पर तेनात स्वास्थ्य कर्मियों की उपस्थिति, उनकी कार्यप्रणाली की जांच शुरू की गई है। इसके तहत सीएमएचओ कभी भी किसी प्रसव केंद्र पर विभागीय अधिकारी को भेज रहे हैं। सीएमएचओ की इस कार्रवाई से प्रसव केंद्र के डॉक्टर व पैरा मेडिकल स्टॉफ में हड़कंप मचा है। इसी कड़ी में जिला कार्यक्रम प्रबंधक विजय पांडेय ने शनिवार देर रात प्रसव केंद्र मझौली का आकस्मिक जांच किया। उनके वहां पहुंचते ही हड़कंप मच गया। जांच के दौरान उन्होंने उपस्थिति पंजिका आदि का मुआयना किया। चिकित्सक व नर्सिंग स्टाफ समेत अन्य कर्मचारी उपस्थित मिले। औषधि भंडार कक्ष में प्रसव कार्य में उपयोगी दवाओं का स्टॉक भी जांचा। वैसे फिलहाल प्राप्त जानकारी के मुताबिक सब कुछ दुरुस्त मिला है।

बताया जा रहा है कि ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित प्रसव केंद्रों से गर्भवती महिलाओं को एल्लिन व मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर किए जाने की शिकायतें सीएमएचओ तक पहुंची थीं। शिकायतकर्ताओं ने बताया था कि गर्भवती महिलाओं के केस में जटिलता बताकर उन्हें रेफर किया जा रहा है। इसमें ऐसी गर्भवती महिलाएं भी हैं जिनका सामान्य प्रसव कराया जा सकता है। ऐसे में सीएमएचओ ने हकीकत का पता लगाने के लिए यह जांच कराई। दरअसल बताया ये भी जा रहा है कि जिले में शिशु एवं मातृ मृत्यु दर की स्थिति

रात में अचानक मझौली प्रसव केंद्र पहुंचे डीपीएम मचा हड़कंप



सीएमएचओ के निर्देश पर की आकस्मिक जांच

चिंताजनक है। ऐसे में सीएमएचओ ने शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई की। प्रसव केंद्र मझौली का आकस्मिक जांच करने वाले स्वास्थ्य विभाग के जिला कार्यक्रम प्रबंधक डीपीएम पांडेय का कहना है कि सीएमएचओ डॉ. रबेश कुरारिया तक शिकायत पहुंच रही थी कि ग्रामीण क्षेत्र के कई प्रसव केंद्रों में रात्रि कालीन प्रसूति सुविधा का लाभ महिलाओं को नहीं मिल पा रहा है। कहीं डॉक्टर नहीं मिलते तो कहीं कर्मचारी ड्यूटी से गायब रहते हैं। प्रसव पीड़ा से कराहते हुए प्रसव केंद्र पहुंचने वाली महिलाओं को बेवजह जिला मुख्यालय स्थित एल्लिन व मेडिकल रेफर कर दिया जाता है। जिले के सभी प्रसव केंद्रों में महिलाओं को 24 घंटे सुविधा का लाभ सुनिश्चित किया जा सके, इसकी

मॉनीटरिंग के लिए सीएमएचओ ने रात में औचक निरीक्षण के निर्देश दिए हैं। बता दें कि एल्लिन व मेडिकल कॉलेज अस्पताल समेत जिले में 32 प्रसव केंद्र हैं। मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को दुरुस्त रखने के लिए इन केंद्रों में 24 घंटे प्रसव की सुविधा के लिए आवश्यक इंतजाम किए गए हैं। लेकिन प्रसव पीड़ा से कराहती गर्भवती महिलाओं को प्रसव में जटिलता का भय दर्शाकर उन्हें एल्लिन व मेडिकल अस्पताल जाने के लिए मजबूर कर दिया जाता है। इस स्थिति में प्रसव में होने वाले अनावश्यक विलंब के कारण महिला व गर्भस्थ शिशु का जीवन खतरे में पड़ जाता है।

समारोह -74वें स्थापना दिवस पर दरीखाना में समारोह, जवानों ने दिखाए जौहर

होमगार्ड के जांबाजों ने पूरी की जिम्मेदारी-डीआईजी

■ जबलपुर। (नव प्रदेश) होमगार्ड नागरिक सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन का 74 वां स्थापना दिवस रविवार को संभागीय मुख्यालय के दरीखाना में समारोह पूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर होमगार्ड के जवानों ने आकर्षक मार्च पास्ट प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डीआईजी डॉ. विशद तिवारी द्वारा सलामी ली गई। पेरेड का निरीक्षण करते हुए डीआईजी ने स्थापना दिवस पर होमगार्ड के सभी अधिकारी कर्मचारियों को शुभकामनाएं दीं। समारोह को संबोधित करते हुए डीआईजी ने



कहा कि नागरिक सुरक्षा के साथ-साथ होमगार्ड संगठन की आपदा प्रबंधन में अति महत्वपूर्ण भूमिका है। होमगार्ड संगठन के जांबाज जवानों ने सार्वजनिक एवं सामाजिक जीवन में

सुरक्षार्कमी के तौर पर अपनी भूमिका का सफ लता पूर्वक निर्वहन किया है। वहीं आपदाकाल में भी लोगों की सहायता कर पहचान होमगार्ड ने बनाई है।

स्वयं सेवक होमगार्ड में बदले

1946 में मुंबई में सबसे पहले स्वयं सेवकों के रूप में होमगार्ड ने कार्य किया। तत्कालीन गृह मंत्री सरदार पटेल की प्रेरणा से हैदराबाद के विलय में होमगार्ड ने सराहनीय योगदान दिया, जिसके बाद से होमगार्ड लगातार सुरक्षा सेवा और आपदा प्रबंधन का कार्य करता रहा। समारोह में भूतपूर्व होमगार्ड अधिकारियों को सम्मानित भी किया गया।

ईमानदारी से दायित्वों का निर्वहन

स्थापना दिवस के मौके पर सैनिकों में खासा उत्साह देखा गया। विशिष्ट अतिथि ने कहा कि होमगार्ड के सैनिक अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी ईमानदारी व कर्तव्यनिष्ठा से निभाते हैं। आपदा के समय ये जवान फ़ाल्ड पर हमेशा तत्पर रहते दिखाई देते हैं। स्थापना दिवस कार्यक्रम में सिंहस्थ में ड्यूटी करने वाले जवानों को प्रशस्ति पत्र भी दिए गए।

